

सोपानम्

(अभ्यासपुस्तकम्)



सर्वकारमाध्यमिकविद्यालयः वट्टोली
गवः ँ.पी. वीरुगलुय० वडुगुळी

सोपानम्

सज्जीकरणम् - षष्ठी कक्ष्याछात्राः

अभ्यासरचनायां गृहीतभागाः

देवनन्दा. के	अखिलक्ष्मीः
निहारा के	वेदा.पि.वि
सनिका	अवन्तिका.पि.पि
नयना	पुण्या
निवेद्या एस्	रिथुन्जित्
श्रेयस्	देवाङ्गना
अबिन्कृष्णः	नयनतृष्णा.एम्.पि
अष्मिता.पि.पि	देवनयना इ.पि
दर्शिका	अभिनवः
अमल्लिजत्	श्रीहरिः टि.ओ
अनुनन्दः वि.के	

क् + क	क्क	-----
क् + त	क्त	-----
क् + व	क्व	-----
क् + न	क्न	-----
क् + य	क्य	-----
क् + र	क्र	-----
क् + स	क्स	-----
ग् + ग	ग्ग	-----
ग् + य	ग्य	-----
ख् + य	ख्य	-----
ङ् + ग	ङ्ग	-----
ट् + र	ट्र	-----
ट् + य	ट्य	-----
ड् + ड	ड्ड	-----
ण् + ड	ण्ड	-----
ण् + म	ण्म	-----
ण् + ण	ण्ण	-----
च् + च	च्च	-----
ज् + ज	ज्ज	-----
ञ् + च	ञ्च	-----
ञ् + ज	ञ्ज	-----
त् + त	त्त	-----
त् + थ	त्थ	-----
त् + म	त्म	-----
त् + न	त्न	-----
थ् + य	थ्य	-----

दृ + द	दृ	-----
दृ + य	द्य	-----
दृ + ध	दृध	-----
दृ + म	दृम	-----
धृ + म	धृम	-----
धृ + न	धृन	-----
नृ + य	नृय	-----
नृ + न	नृन	-----
पृ + र	पृर	-----
फृ + ग	फृग	-----
बृ + ज	बृज	-----
बृ + द	बृद	-----
बृ + ब	बृब	-----
भृ + म	भृम	-----
रृ + क	रृक	-----
यृ + य	यृय	-----
शृ + च	शृच	-----
शृ + व	शृव	-----
शृ + म	शृम	-----
षृ + ट	षृट	-----
सृ + य	सृय	-----
हृ + ल	हृल	-----
हृ + व	हृव	-----
हृ + य	हृय	-----
हृ + र	हृर	-----
कृ + क	कृकः	-----

क् + त	शक्तः	-----
क् + व	क्वाथः	-----
क् + न	शक्नोति	-----
क् + य	वाक्यम्	-----
क् + र	चक्रम्	-----
क् + स	वाक्सुधा	-----
ग् + द	वाग्देवी	-----
ग् + य	भाग्यम्	-----
ख् + य	आख्यातम्	-----
ङ् + ग	गङ्	-----
ट् + र	राष्ट्रम्	-----
ट् + य	नाट्यम्	-----
ड् + ड	मडुः	-----
ण् + ड	अण्डम्	-----
ण् + म	षण्मुखः	-----
च् + छ	स्वच्छम्	-----
ज् + ज्ञ	ज्ञानम्	-----
ञ् + च	चञ्चुः	-----
ञ् + ज	अञ्जनम्	-----
त् + त	सत्ता	-----
त् + थ	उत्थानम्	-----
त् + म	आत्मा	-----
त् + न	रत्नम्	-----
थ् + य	मिथ्या	-----
द् + द	उद्दीप्तिः	-----
द् + य	अद्य	-----

द् + ध	सिद्धम्	-----
द् + म	पद्मम्	-----
ध् + म	आध्मानम्	-----
ध् + न	ब्रध्नः	-----
न् + य	न्याय्यः	-----
न् + न	उन्नतिः	-----
न् + म	चिन्मयः	-----
प् + र	प्रमा	-----
प् + स	अप्सराः	-----
ब् + ज	अब्जम्	-----
ब् + द	अब्दः	-----
भ् + य	अभ्यासः	-----
म् + भ	अम्भः	-----
र् + क	अर्कः	-----
य् + य	निकाय्यः	-----
श + च	आश्चर्यम्	-----
श् + व	अश्वः	-----
श् + म	अश्मा	-----
ष् + ट	अष्ट	-----
स् + य	स्यूतः	-----
ह् + ल	प्रह्लादः	-----
ह् + व	आह्वानम्	-----
ह् + य	ह्यः	-----
ह् + र	ह्रीः	-----

स्त्रीलिङ्गरूपाणि लिखत

नायकः	नायिका	देवः	देवी
गायकः	-----	सिंहः	-----
गोपकः	-----	काकः	-----
सेवकः	-----	मत्स्यः	-----
अर्चकः	-----	नर्तकः	-----
चालकः	-----	सुन्दरः	-----
पालकः	-----	दासः	-----
सीवकः	-----	सनातनः	-----
रक्षकः	-----	मासिकः	-----
मनोहरः	मनोहरा	कार्षिकः	-----
भयङ्करः	-----	वार्षिकः	-----
नूतनः	-----	धार्मिकः	-----
मोहनः	-----	आर्थिकः	-----
उत्तमः	-----	पुरातनः	-----
उन्नतः	-----	नैतिकः	-----
स्थूलः	-----	दैनिकः	-----

ऋकारान्तः पुं	ईकारान्तः स्त्री	ऋकारान्तः पुं	ईकारान्तः स्त्री
कर्ता	कर्त्री	भर्ता	-----
नेता	-----	दाता	-----
वक्ता	-----	श्रोता	-----
कवयिता	-----	कार्यकर्ता	-----
हर्ता	-----	धर्ता	-----
हन्ता	-----	संहर्ता	-----

संस्कर्ता	-----	नप्ता	-----
द्रष्टा	-----	स्वीकर्ता	-----
प्रणेता	-----	अभिनेता	-----

नकारान्तः पुं ईकारान्तः स्त्री

नकारान्तः पुं ईकारान्तः स्त्री

पक्षी	पक्षिणी	स्वामी	-----
रोगी	-----	रागी	-----
संन्यासी	-----	मन्त्री	-----
अधिकारी	-----	मोही	-----
उपदेशी	-----	भोगी	-----
उद्योगी	-----	योगी	-----

संख्याः

1	१	-----
2	२	-----
3	३	-----
4	४	-----
5	५	-----
6	६	-----
7	७	-----
8	८	-----
9	९	-----
10	१०	-----

अभ्यासः

संख्या: संस्कृतेन लिखन्तु –

21	२१	18	-----	17	-----	24	-----
34	-----	60	-----	42	-----	37	-----
93	-----	80	-----	55	-----	71	-----
98	-----	87	-----	66	-----	29	-----
33	-----	49	-----	19	-----	88	-----
45	-----	57	-----	63	-----	100	-----

1231	१२३१	2819	-----	3417	-----
9672	-----	2134	-----	2140	-----
1947	-----	6932	-----	1002	-----
3096	-----	9999	-----	8742	-----
8787	-----	4217	-----	2124	-----
8674	-----	4435	-----	9876	-----

समयः

५.०० पञ्चवादनम्

१.०० एकवादनम्

२.०० द्विवादनम्

३.०० त्रिवादनम्

कः समयः

६.०० -----|

४.०० -----|

११.०० -----|

७.०० -----|

८.०० -----|

१२.०० -----|

५.१५ सपादपञ्चवादनम्

७.१५ सपादसप्तवादनम्

५.३० सार्धपञ्चवादनम्

४.३० सार्धचतुर्वादनम्

५.४५ पादोनषड् वादनम्

१०.४५ पादोनैकादशवादनम्

कः समयः

१.१५ -----	९.१५ -----
२.३० -----	७.३० -----
३.१५ -----	५.३० -----
११.३०-----	२.४५ -----
७.४५ -----	४.४५ -----
२.१५ -----	६.४५ -----

१.०५ पञ्चाधिकैकवादनम्	३.१० दशाधिकत्रिवादनम्
१०.०८ अष्टाधिकदशवादनम्	६.५५ पञ्चोनसप्तवादनम्
८.५० दशोननववादनम्	९.५५ पञ्चोनदशवादनम्

कः समयः

१.१० -----	३.५० -----
४.५५ -----	७.१० -----
१२.०५-----	८.५० -----
६.५५ -----	७.५० -----

अव्ययानि

वचनभेदरहितानि विभक्तभेदरहितानि पुरुषभेदरहितानि च पदानि अव्ययानि भवन्ति।

कतिचन अव्ययानि –

च, एव, इति, अत्र, तत्र, कुत्र, कदा, इव, तदा, कथम्, एवम्, विना, यदा,
यथा, चेत्, यदि, एकदा, कदाचित्, न, मा, उच्चैः, पुरतः, उपरि, शनैः, पृष्ठतः

क्त्वान्तम् अव्ययम्	-	पठित्वा, लिखित्वा, दत्त्वा, हसित्वा, भूत्वा, कृत्वा
ल्यबन्तम् अव्ययम्	-	विहस्य, उपविश्य, उत्थाय, विलिख्य, परिहृत्य
तुमुन्नन्तम् अव्ययम्	-	पठितुम्, वक्तुम्, खादितुम्, दातुम्, हसितुम्

च

रामः गच्छति। कृष्णः गच्छति।	-	रामः कृष्णः च गच्छति / गच्छतः।
सुरेशः वदति। लता वदति।	-	सुरेशः लता च वदति। / वदतः।

अहं रामयणं महाभारतं च पठामि।

आकाशे सूर्यः चन्द्रः च अस्ति। / स्तः।

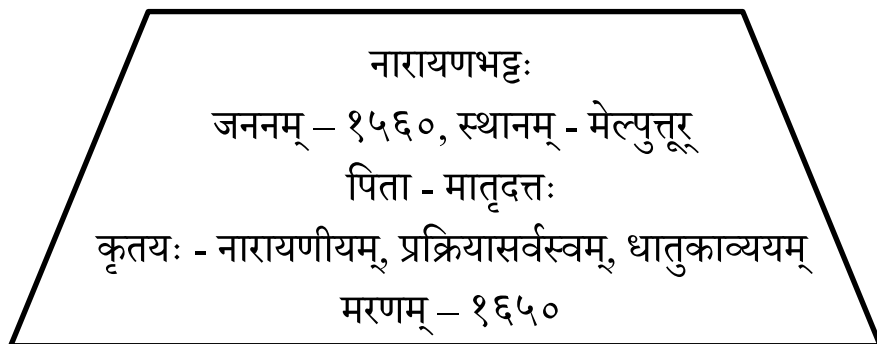
अभ्यासः १

रामः	-	संस्कृतम्, मलयाळम् - पठति।	रामः संस्कृतं मलयाळं च पठति।
उमा	-	जलम्, चायम् - पिबति।	-----
लता	-	कथा, कविता - लिखति।	-----
शिवः	-	गद्यम्, पद्यम् - पठति।	-----
रमा	-	गीतम्, नृत्यम् - जानाति।	-----
वृन्दा	-	लडुकम्, मोदकम् - खादति।	-----

अभ्यासः २.

वृक्षः	-	पक्षी, वानरः।	वृक्षे पक्षी वानरः च अस्ति।
तडागः	-	मीनः, मकरः।	-----
वनम्	-	सिंहः, गजः।	-----
शरीरम्	-	रक्तम्, मांसम्।	-----
गृहम्	-	माता, पिता, ज्येष्ठः।	-----
मुखम्	-	नासिका, जिह्वा।	-----
पुस्तकम्	-	कथा, कविता।	-----
विद्यालयः	-	शिक्षकः, शिक्षिका।	-----

जीवचरितलेखनम्



१. नारायणभट्टः षष्ट्युत्तर-पञ्चशताधिकसहस्रतमे वर्षे मलप्पुरं जनपदे पोन्नान्यां मेल्लुत्तूरे जन्म प्राप्नोत्। अस्या पिता मातृदत्तः भवति। नारायणीयम्, धातुकाव्यम्, प्रक्रियासर्वस्वम् इत्येतानि अस्य मुख्यकाव्यानि। अयं महाभागः पञ्चाशदुत्तरषट्शताधिकसहस्रतमे वर्षे मरणं प्राप्तवान्।

२. मलप्पुरे पोन्नान्यां १५३० तमे वर्षे नारायणभट्टः मलप्पुरे मेल्लुत्तूरे जनिम् अलभतामातृदत्तः एव अस्य पिता। अयमेव नारायणीयम्, धातुकाव्यम्, प्रक्रियासर्वस्वं च लिखितवान्। अयं महाभागः १६५० तमे वर्षे दिवङ्गतः।

अभ्यासः

अधदत्तानि सूचकानि उपयुज्य जीवनचरितानि लिखन्तु -

१. अच्युतपिषारकः

जननम् - १५४५

स्थानम् - मलप्पुरम्, तिरूरु, तृक्कण्टियूरु

कृतयः - प्रवेशकम्, करणोत्तमयः, गोलदीपिका

मरणम् - १६२१

२. स्वामी विवेकानन्दः

जननम् - १८६३

स्थानम् - वङ्गदेशः, कोल्काता

पिता - विश्वनाथदत्तः। माता - भुवनेश्वरीदेवी

समाधिः - १९०२

३. रवीन्द्रनाथठाकुरः

जननम् - १८६१

स्थानम् - वडेगदेशः, कोल्काता

पिता - देवेन्द्रनाथठाकुरः। माता - भवतारिणी

कृतयः - गीताञ्जलिः, काबूलिवाला, दि चैल्ड, गोरा

मरणम् - १९४१

४. चट्टम्पि स्वामी

जननम् - १८५३

स्थानम् - तिरुवनन्तपुरम्, कण्णम्मूला

गुरुः - रामन् पिल्ल आशान्

कृतयः - अद्वैतचिन्तापद्धतिः, अद्वैतपञ्जरम्

समाधिः - १९२४

५. शङ्कराचार्यः

जननम् - ए.डि. ७८८

स्थानम् - एरणाकुलम्, कालटी

पिता - शिवगुरुः, माता - आर्याम्बा

गुरुः - गोविन्दयोगी

कृतयः - सौन्दर्यलहरी, शिवानन्दलहरी, भज गोविन्दम्

समाधिः - ए.डि.८२०

लट् लकाररूपाणि।

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	पठति	पठतः	पठन्ति
मध्यमपुरुषः	पठसि	पठथः	पठथ
उत्तमपुरुषः	पठामि	पठावः	पठामः

अभ्यासः १.

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	लिखति	-----	-----
मध्यमपुरुषः	-----	पठथः	-----
उत्तमपुरुषः	पठामि	-----	पठामः

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	वदति	-----	-----
मध्यमपुरुषः	-----	-----	-----
उत्तमपुरुषः	-----	-----	-----

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	नमति	-----	-----
मध्यमपुरुषः	-----	-----	-----
उत्तमपुरुषः	-----	-----	-----

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	गायति	-----	-----
मध्यमपुरुषः	-----	-----	-----
उत्तमपुरुषः	-----	-----	-----

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	हसति	-----	-----
मध्यमपुरुषः	-----	-----	-----
उत्तमपुरुषः	-----	-----	-----

प्रथमपुरुष -एकवचनाभ्यासः

यथोदाहरणं बहुवचनक्रियारूपाणि लिखन्तु -

पठति - पठन्ति	वदति - वदन्ति	त्यजति - त्यजन्ति
हरति - -----	हसति - -----	तरति - -----
तपति - -----	गायति - -----	गच्छति - -----
वहति - -----	वमति - -----	जपति - -----
जयति - -----	पिबति - -----	खादति - -----

करोति - कुर्वन्ति	ददाति - ददति
जानाति - जानन्ति	गृह्णाति - गृह्णन्ति

बालकः पठति।

रमेशः खादति।

उमा वदति।

मित्रं गायति।

अभ्यासः

यथोदाहरणं वाक्यानि लिखन्तु -

सः / सा / छात्रः / बालिका / महिला / रमेशः / गीता

पठति / लिखति / गायति / गच्छति / पिबति / नमति / हसति / पश्यति / खादति

उदा :- सः पठति।

छात्रः पिबति।

-----|

-----| -----| -----|

-----| -----| -----|

-----| -----| -----|

-----| -----| -----|

-----| -----| -----|

-----| -----| -----|

यथोदाहरणं संस्कृतेन अनुवदन्तु –

കുതിര ഓടുന്നു.	അശ്വഃ ധാവതി
രാമൻ പഠിക്കുന്നു.	रामः पठति
രമ പാടുന്നു.	-----
രമേശൻ തിന്നുന്നു.	-----
കൃഷ്ണൻ വരുന്നു.	-----
പൂവ് വിടരുന്നു.	-----
ആൺകുട്ടി കടിക്കുന്നു.	-----
സീംഹം ഗർജ്ജിക്കുന്നു	-----
സീത ഇരിക്കുന്നു.	-----
ഗൗരി നോക്കുന്നു.	-----

प्रथमपुरुष-बहुवचनाभ्यासः –

बालाः पठन्ति ते वदन्ति छात्राः क्रीडन्ति अश्वाः धावन्ति

ते / ताः / बालकाः / युवकाः / बालिकाः / पुरुषाः / महिलाः
गच्छन्ति / पठन्ति / उपविशन्ति / गायन्ति / वदन्ति / इच्छन्ति / नमन्ति।

उदा :- ते गच्छन्ति।	ते पठन्ति।	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----

मध्यमपुरुषाभ्यासः -एकवचनम्

पठति	पठसि	खादति	खादसि	पतति	पतसि
पृच्छति	-----	हसति	-----	तिष्ठति	-----
तपति	-----	गायति	-----	गच्छति	-----
वहति	-----	इच्छति	-----	ददाति	-----
जानाति	-----	पिबति	-----	खादति	-----

यथोदाहरणं वाक्यानि रचयन्तु -

त्वं पठसि ।	त्वं लिखसि।	त्वं नमसि।
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----

यथोदाहरणं संस्कृतेन अनुवदन्तु -

നീ കളിക്കുന്നു.	-----
നീ പഠിക്കുന്നു	-----
നീ പറയുന്നു.	-----
നീ കുടിക്കുന്നു	-----
നീ ഇരിക്കുന്നു.	-----
നീ കാണുന്നു.	-----

मध्यमपुरुषबहुवचनाभ्यासः

गच्छसि	गच्छथ	हससि	हसथ	तिष्ठसि	-----
वदसि	-----	हरसि	-----	गायसि	-----
स्मरसि	-----	इच्छसि	-----	पिबसि	-----
नयसि	-----	त्यजसि	-----	जयसि	-----

यथोदाहरणं वाक्यानि लिखन्तु –

यूयं खादथ।	यूयं स्मरथ।	यूयं चिन्तयथ।	यूयं हसथ।
-----	-----	-----	-----
-----	-----	-----	-----

उत्तमपुरुषाभ्यासाः (एकवचनम्)

पठति	पठामि	खादति	खादामि	स्मरति	-----
हसति	-----	तिष्ठति	-----	तपति	-----
गायति	-----	गच्छति	-----	पृच्छति	-----
इच्छति	-----	ददाति	-----	तरति	-----
पिबति	-----	नयति	-----	क्रीडति	-----

यथोदाहरणं वाक्यानि रचयन्तु –

अहं पठामि।	अहं गच्छामि।	अहं नमामि।
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----

उत्तमपुरुष-बहुवचनाभ्यासः

गच्छामि	गच्छामः	गायामि	गायामः	तरामि	-----
खादामि	-----	पश्यामि	-----	अटामि	-----
वसामि	-----	भवामि	-----	वमामि	-----
वदामि	-----	इच्छामि	-----	पिबामि	-----
जयामि	-----	पृच्छामि	-----	क्रीडामि	-----

भूतकालः (लट्लकारः) / क्तवतुप्रत्ययः

लट्	लङ्	क्तवतु-पुं	स्त्री
पठति	अपठत्	पठितवान्	पठितवती
पतति	अपतत्	पतितवान्	पतितवती
खादति	अखादत्	खादितवान्	खादितवती
लिखति	अलिखत्	लिखितवान्	लिखितवती
धावति	अधावत्	धावितवान्	धावितवती
हसति	अहसत्	हसितवान्	हसितवती
गच्छति	अगच्छत्	गतवान्	गतवती
पिबति	अपिबत्	पीतवान्	पीतवती
स्मरति	अस्मरत्	स्मृतवान्	स्मृतवती
तिष्ठति	अतिष्ठत्	स्थितवान्	स्थितवती

अभ्यासः १.

यथोदाहरणं पूर्यन्तु –

लट्	लङ्	क्तवतु-पुं	क्तवतु- स्त्री
पठति	अपठत्	पठितवान्	पठितवती
वदति	-----	उदितवान्	उदितवती
मिलति	अमिलत्	-----	-----
नयति	-----	नीतवान्	नीतवती
पिबति	-----	अपिबत्	-----
पश्यति	-----	दृष्टवान्	-----
पृच्छति	-----	-----	पृष्टवती

अभ्यास: २.

यथोदाहरणं वर्तमानकालवाक्यानि (लट्वाक्यानि) भूतकाले परिवर्तयत –

उदा -	बालकः पठति ।	बालकः अपठत्।
	रमेशः लिखति।	-----
	लता वदति ।	-----
	बालिका स्मरति।	-----
	नयना धावति ।	-----
	अश्वः पिबति।	-----
	वृक्षः पतति।	-----
	सिंहः गर्जति।	-----
	राधा क्रीडति।	-----
	सुरेशः नमति।	-----
	रमा हसति।	-----

अभ्यास: ३.

बालः पठति ।	अहं पठामि।
सः नमति।	-----
एषः गच्छति।	-----
रमेशः लिखति।	-----
अरविन्दः नयति।	-----
प्रिया खादति।	-----
सनिका पिबति।	-----
अभिषेकः वदति।	-----
लता गायति।	-----
नीहारा त्यजति।	-----

अभ्यासः ४.

यथोदाहरणं लङ् लकारवाक्यानि क्तवतुप्रत्ययान्तरूपैः परिवर्तयत-

उदा -	बालकः अगच्छत्। बालिका अवदत्।	बालकः गतवान्। बालिका उदितवती।
१.	बालकः अपठत्।	-----।
२.	बालिका अहसत्।	-----।
३.	रामः अत्यजत्।	-----।
४.	सीता अगायत्।	-----।
५.	अनश्वरः अपिबत्।	-----।
६.	युवकः अपश्यत्।	-----।
७.	रमेशः अपतत्।	-----।
८.	सः अधावत्।	-----।
९.	उमा अपालयत्।	-----।
१०.	गङ्गा अनयत्।	-----।

वचनानि

प्रथमाविभक्तिः

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
अ.पुं	रामः	रामौ	रामाः
इ.पुं	कविः	कवी	कवयः
उ.पुं	गुरुः	गुरू	गुरवः
ऋ.पुं	पिता	पितरौ	पितरः
आ.स्त्री	राधा	राधे	राधाः
ई.स्त्री	गौरी	गौर्यौ	गौर्यः
ऊ.स्त्री	वधूः	वध्वौ	वध्वः
ऋ.स्त्री	माता	मातरौ	मातरः
अ.नपुं	वनम्	वने	वनानि
इ.नपुं	दधि	दधिनी	दधीनि
उ.नपुं	मधु	मधुनी	मधूनि

अभ्यासः ६
यथोदाहरणं पूर्यत-

बालः	बालौ	बालाः
छात्रः	-----	-----
बालः	-----	-----
शिशुः	-----	-----
सेतुः	-----	-----
गिरिः	-----	-----
रविः	-----	-----
धेनुः	-----	-----
नदी	-----	-----
घटी	-----	-----
देवी	-----	-----
श्वश्रूः	-----	-----
फलम्	-----	-----
मुखम्	-----	-----
वाहनम्	-----	-----
तालु	-----	-----
वारि	-----	-----

द्वितीया विभक्तिः

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
अ.	रामम्	रामौ	रामान्
इ.पुं	कविम्	कवी	कवीन्
उ.पुं	गुरुम्	गुरू	गुरून्
ऋ.पुं	पितरम्	पितरौ	पितॄन्
आ.स्त्री	सीताम्	सीते	सीताः
इ.स्त्री	मतिम्	मती	मतीः
ई.स्त्री	वाणीम्	वाण्यौ	वाणीः
उ.स्त्री	धेनुम्	धेनू	धेनूः

ऊ.स्त्री	वधूम्	वध्वौ	वधूः
ऋ.स्त्री	मातरम्	मातरौ	मातृः
अ.नपुं	वनम्	वने	वनानि
इ.नपुं	दधि	दधिनी	दधीनि
उ.नपुं	मधु	मधुनी	मधूनि

अभ्यासः ७

यथोदाहरणं पूरयन्तु-

बालम्	बालौ	बालान्
छात्रम्	-----	-----
बालम्	-----	-----
शिशुम्	-----	-----
सेतुम्	-----	-----
गिरिम्	-----	-----
रविम्	-----	-----
धेनुम्	-----	-----
नदीम्	-----	-----
घटी	-----	-----
देवीम्	-----	-----
श्वश्रूः	-----	-----
फलम्	-----	-----
मुखम्	-----	-----
वाहनम्	-----	-----
तालु	-----	-----
वारि	-----	-----

सप्तककाराः

किम्	कुत्र	कति	कदा	कुतः	कथम्	किमर्थम्
------	-------	-----	-----	------	------	----------

भवतः नाम किम् ?	मम नाम -----।
तत् किम् ?	तत् फलम्/चित्रम्/वाहनम्।
एतत् किम् ?	एतत् भवनम्/पुस्तकम्/पुष्पम्।
भवत्याः इष्टपुष्पं किम् ?	मम इष्टपुष्पं -----।
भारतस्य देशीयपुष्पं किम् ?	भारतस्य देशीयपुष्पं कमलं भवति।
भवतः पितुः नाम किम्?	मम पितुः नाम -----।
भवत्याः गृहस्य नाम किम्?	मम गृहस्य नाम -----।
वृक्षात् किं पतति ?	वृक्षात् पुष्पं/पर्णं/फलं पतति।
रामस्य आयुधं किम्?	रामस्य आयुधं चापः।

अभ्यासः ८

यथोदाहरणं प्रश्नवाक्यं लिखन्तु-

मम नाम रमेशः।	भवतः नाम किम् ?
मम नाम उमा ।	-----?
तत् फलम् ।	-----?
एतत् चित्रम्।	-----?
तत्र वाहनम् अस्ति।	-----?
मम मातुः नाम लता।	-----?
केरलस्य देशीयपुष्पं कर्णिकारः भवति।	-----?
तस्य गृहस्य नाम वृन्दावनम्।	-----?
स्यूते पुस्तकम् अस्ति।	-----?
नद्यां जलम् अस्ति।	-----?
कूप्याम् औषधम् अस्ति।	-----?

कुत्र

सिंहः वने वसति ।	सिंहः कुत्र वसति
मीनः जले जीवति।	-----?
सूर्यः आकाशे शोभते।	-----?
फलानि वृक्षे सन्ति।	-----?
पुष्पाणि मालायां सन्ति।	-----?
पिता विदेशे कार्यं करोति।	-----?
तिमिङ्गिलः समुद्रे जीवति।	-----?
बालाः नद्यां तरन्ति।	-----?
ताः क्रीडाङ्कणे क्रीडन्ति।	-----?
वयम् अत्र उपविशामः।	-----?
विश्वनाथमन्दिरं काश्याम् अस्ति।	-----?
जगन्नाथमन्दिरम् ओडीषायाम् अस्ति।	-----?

कति

यथोदाहरणं प्रश्नवाक्यानि रचयन्तु -	
पञ्च वृक्षाः सन्ति।	कति वृक्षाः सन्ति?
तत्र नव महिलाः सन्ति।	तत्र कति महिलाः सन्ति?
सङ्गीते सप्त स्वराः सन्ति।	-----?
इन्द्रचापे सप्त वर्णाः सन्ति।	-----?
शतं कौरवाः सन्ति।	-----?
देव्याः अष्ट हस्ताः सन्ति।	-----?
भगवद्गीतायाम् अष्टादश अध्यायाः सन्ति।	-----?
केरले चतुर्दश जनपदाः सन्ति।	-----?
दिने चतुर्विंशतिः होराः सन्ति।	-----?
मम गृहे अष्टजनाः सन्ति।	-----?
रामायणे सप्त काण्डाः सन्ति।	-----?
दशरथस्य चत्वारः पुत्राः सन्ति।	-----?
शरीरे पञ्च कोशाः सन्ति।	-----?
सा पञ्च भाषाः जानाति।	-----?

अभ्यास:९

यथोदाहरणं वाक्यानि रचयन्तु, प्रश्नवाक्यानि अपि रचयन्तु –

- सौरयूथम् - ग्रहाः - ९ → सौरयूथे नव ग्रहाः सन्ति।
→ सौरयूथे कति ग्रहाः सन्ति?
- वृक्षः - वानराः - १० → -----|
→ ----- ?
- भारतम् - राज्यानि - २९ → -----|
→ ----- ?
- वर्षम् - मासाः - १२ → -----|
→ ----- ?
- महाभारतम् - पर्वाणि - १८ → -----|
→ ----- ?
- मुखम् - दन्ताः - ३२ → -----|
→ ----- ?
- नाट्यम् - रसाः - ९ → -----|
→ ----- ?
- गृहम् - वृक्षाः - २५ → -----|
→ ----- ?
- नारायणस्य -अवताराः -१० → -----|
→ ----- ?
- रावणस्य - मुखानि - १० → -----|
→ ----- ?

कदा

सूर्यः प्रभाते उदेति ।	सूर्यः कदा उदेति?
वर्षाकाले मेघाः वर्षन्ति।	मेघाः कदा वर्षन्ति?
रमेशः प्रभाते पठति।	रमेशः कदा पठति?
संस्कृतदिनं श्रावणपूर्णिमायां भवति।	संस्कृतदिनं कदा भवति?
श्रावणोत्सवः सिंहमासे भवति।	श्रावणोत्सवः कदा भवति?
वसन्तकाले कोकिलाः कूजन्ति।	-----?
बालाः प्रभाते उत्तिष्ठन्ति।	-----?
रमा सायं क्रीडति।	-----?
सीता पञ्चवादने पठति।	-----?
पिता जनुवरीमासे आगमिष्यति।	-----?
मम जन्मदिनं मिथुनमासे भविष्यति।	-----?
सुरेशः ६ वादने योगासनं करोति।	-----?
मालविका ८ वादने गृहकार्यं करोति।	-----?
अरविन्दः श्वः गमिष्यति।	-----?
शिवरात्रिः कुम्भमासे भविष्यति।	-----?

यथोदाहरणं वाक्यानि प्रश्नवाक्यानि च रचयन्तु-

नवरात्रम् - कन्यामासः	→ नवरात्रं कदा भविष्यति ?
	→ नवरात्रं कन्यामासे भविष्यति।
विषुवम् - मेषमासः	→ ----- ?
	→ -----।
गान्धीजयन्ती -ओक्टोबर् मासः	→ ----- ?
	→ -----।
विवेकानन्दजयन्ती- जनुवरीमासः	→ ----- ?
	→ -----।
क्रिस्तुमस् -डिसम्बर् मासः	→ ----- ?
	→ -----।

परिस्थितिदिनम् - जूण् मासः	→	----- ?
	→	-----
अध्यापकदिनम् -सप्टम्बर् मासः	→	----- ?
	→	-----
शिशुदिनम् - नवम्बर् मासः	→	----- ?
	→	-----
अम्बेदकरजयन्ती - एप्रिल् मासः	→	----- ?
	→	-----
स्वातन्त्र्यदिनम् - आगस्त् मासः	→	----- ?
	→	-----
गणतन्त्रदिनम् - जनुवरीमासः	→	----- ?
	→	-----
गीतादिनम् - डिसम्बर् मासः	→	----- ?
	→	-----
दीपावली - कार्तिकमासः	→	----- ?
	→	-----
वसन्तपञ्चमी -माघमासः	→	----- ?
	→	-----

पञ्चमीविभक्तिः

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
अ.पुं	रामात्	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
इ.पुं	कवेः	कविभ्याम्	कविभ्यः
उ.पुं	गुरोः	गुरुभ्याम्	गुरुभ्यः
ऋ.पुं	पितुः	पितृभ्याम्	पितृभ्यः
आ.स्त्री	सीतायाः	सीताभ्याम्	सीताभ्यः
इ.स्त्री	मतेः/मत्याः	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
ई.स्त्री	वाण्याः	वाणीभ्याम्	वाणीभ्यः

उ.स्त्री	धेनोः/धेन्वाः	धेनुभ्याम्	धेनुभ्यः
ऊ.स्त्री	वध्वाः	वधूभ्याम्	वधूभ्यः
ऋ.स्त्री	मातुः	मातृभ्याम्	मातृभ्यः
अ.नपुं	वनात्	वनाभ्याम्	वनेभ्यः

अभ्यासः ७

यथोदाहरणं पूर्यन्तु-

बालः	बालात्	बालाभ्याम्	बालेभ्यः
छात्रः	-----	-----	-----
बालः	-----	-----	-----
ग्रामः	-----	-----	-----
चषकः	-----	-----	-----
वृक्षः	-----	-----	-----
शिशुः	शिशोः	शिशुभ्याम्	शिशुभ्यः
सेतुः	-----	-----	-----
धेनुः	-----	-----	-----
गुरुः	-----	-----	-----
गिरिः	गिरेः	गिरिभ्याम्	गिरिभ्यः
रविः	-----	-----	-----
रश्मिः	-----	-----	-----
अतिथिः	-----	-----	-----
निधिः	-----	-----	-----
नदी	नद्याः	नदीभ्याम्	नदीभ्यः
कूपी	-----	-----	-----
वापी	-----	-----	-----
लेखनी	-----	-----	-----
घटी	-----	-----	-----
जलम्	जलात्	जलाभ्याम्	जलेभ्यः

मुखम्	-----	-----	-----
आकाशम्	-----	-----	-----
नगरम्	-----	-----	-----
वनम्	-----	-----	-----
पुस्तकम्	-----	-----	-----
वस्त्रम्	-----	-----	-----

कुतः

गङ्गा हिमालयात् उद्भवति।	गङ्गा कुतः उद्भवति?
गजः मन्दिरात् आगच्छति।	गजः कुतः आगच्छति?
सुगन्धः पुष्पात् प्रसरति।	सुगन्धः कुतः प्रसरति?
नारदः वैकुण्ठात् गच्छति।	नारदः कुतः गच्छति?
महिलाः नद्याः जलम् आनयन्ति।	महिलाः कुतः जलम् आनयन्ति?

कुतः इत्यस्य उत्तरं पञ्चमीविभक्तौ भवति।

अभ्यासः

यथोदाहरणं प्रश्नवाक्यानि रचयन्तु -

- | | |
|---------------------------------------|---|
| १. छात्राः विद्यालयाद् गृहं गच्छन्ति। | छात्राः कुतः विद्यालयाद् गृहं गच्छन्ति? |
| २. पक्षी नीडात् गच्छति। | -----? |
| ३. सिंहः वनात् आगच्छति। | -----? |
| ४. माता कूपात् जलम् उद्भवति। | -----? |
| ५. अध्यापकः पाठात् श्लोकम् उद्भवति। | -----? |
| ६. फलानि वृक्षात् पतति। | -----? |
| ७. बालिका वाटिकायाः पुष्पाणि आनयति। | -----? |
| ८. पिता विदेशात् आगतवान्। | -----? |
| ९. लता शाकात् बीजानि अपसारयति। | -----? |
| १०. रमेशः कोशात् धनं स्वीकरोति। | -----? |

यथोदाहरणं वाक्यानि रचयन्तु –

आकाशम् - जलम् - पतति।

→ आकाशात् जलं पतति।

→ जलं कुतः पतति?

१. मातुलः – विदेशः - आगच्छति।

→ ----- |

→ ----- ?

२. फलानि - वृक्षः - पतन्ति।

→ ----- |

→ ----- ?

३. शब्दः – मुखम् - निर्गच्छति।

→ ----- |

→ ----- ?

४. रमा - गृहम् - आगच्छति।

→ ----- |

→ ----- ?

५. पिता - काल्यालयः - आगतवान्।

→ ----- |

→ ----- ?

६. सा - आसन्दः - उत्तिष्ठति।

→ ----- |

→ ----- ?

७. वानराः - वृक्षः - अवतरन्ति।

→ ----- |

→ ----- ?

८. रक्तम् - अङ्गुली - स्रवति।

→ ----- |

→ ----- ?

९. किरणाः - सूर्यः - निपतन्ति।

→ ----- |

→ ----- ?

१०. सः - पात्रम् - जलं स्वीकरोति।

→ ----- |

→ ----- ?

यथोदाहरणं वाक्यानि रचयन्तु –

वृक्षात् कानि पतन्ति-?

वृक्षः - फलानि / पुष्पाणि / शाखाः / पर्णानि / जलकणाः / कीटाः

वृक्षात् फलानि पतन्ति।

----- |

-----|
-----|

जनाः - ग्रामः / नगरम् / वाटिका / कार्यालयः / नदी / समुद्रतीरम् / वनम् / गृहम्

जनाः ग्रामात् आगच्छन्ति।

जनाः ग्रामेभ्यः आगच्छन्ति।

-----	-----
-----	-----
-----	-----
-----	-----
-----	-----
-----	-----
-----	-----
-----	-----

सा - कूपः / कूपी / घटः / पात्रम् / नलिका / नदी / वापी / तडागः / कुल्या /
सम्भरणी

उदा :- सा कूपात् जलम् आनीतवती।

१. -----|
२. -----|
३. -----|
४. -----|
५. -----|
६. -----|
७. -----|
८. -----|
९. -----|

यथोदाहरणं पदानि चित्वा वाक्यानि रचयन्तु -

फलम् → हस्तः / वृक्षः / कण्डोलः / पात्रम् / स्थालिका / उत्पीठिका / आपणः → पतति

उदा - फलं चषकात् पतति।

फलं कुतः पतति?

१. -----| -----|
२. -----| -----|
३. -----| -----|
४. -----| -----|
५. -----| -----|
६. -----| -----|

जलम् → चषकः / करकः / गलन्तिका / कूपी / पात्रम् / घटः / मेघः / नलिका → पतति

१. -----|
२. -----|
३. -----|
४. -----|
५. -----|
६. -----|
७. -----|
८. -----|

बालः → आसन्दः / सुखासनम् / दीर्घपीठिका / त्रिपादी / कटः / पीठम् → उत्तिष्ठति

१. -----|
२. -----|
३. -----|
४. -----|
५. -----|
६. -----|

रमेशः → गृहम् / नगरम् / मन्दिरम् / विद्यालयः / आपणः / वाटिका / नदी → आगच्छति

१. -----|
२. -----|
३. -----|
४. -----|
५. -----|
६. -----|
७. -----|

बालिका → वाहनम् / विमानम् / नौका / द्विचक्रिका / त्रिचक्रिका / वृक्षः → अवतरति

१. -----|
२. -----|
३. -----|
४. -----|
५. -----|
६. -----|

तृतीयाविभक्तिः

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
अ.पुं	रामेण	रामाभ्याम्	रामैः
इ.पुं	कविना	कविभ्याम्	कविभिः
उ.पुं	गुरुणा	गुरुभ्याम्	गुरुभिः
ऋ.पुं	पित्रा	पितृभ्याम्	पितृभिः
आ.स्त्री	सीतया	सीताभ्याम्	सीताभिः
इ.स्त्री	मत्या	मतिभ्याम्	मतिभिः
ई.स्त्री	वाण्याः	वाणीभ्याम्	वाणीभिः
उ.स्त्री	धेन्वा	धेनुभ्याम्	धेनुभिः
ऋ.स्त्री	मात्रा	मातृभ्याम्	मातृभिः
अ.नपुं	वनेन	वनाभ्याम्	वनैः

अभ्यासः

यथोदाहरणं पूर्यन्तु-

बालः	बालेन	बालाभ्याम्	बालैः
दण्डः	-----	-----	-----
बालः	-----	-----	-----
ग्रामः	-----	-----	-----
चषकः	-----	-----	-----
वृक्षः	-----	-----	-----
शिशुः	शिशुना	शिशुभ्याम्	शिशुभिः
सेतुः	-----	-----	-----
ऋतुः	-----	-----	-----
गुरुः	-----	-----	-----
गिरिः	गिरिणा	गिरिभ्याम्	गिरिभिः
रविः	-----	-----	-----
रश्मिः	-----	-----	-----
अतिथिः	-----	-----	-----
निधिः	-----	-----	-----
नदी	नद्या	नदीभ्याम्	नदीभिः
कूपी	-----	-----	-----
वापी	-----	-----	-----
लेखनी	-----	-----	-----
घटी	-----	-----	-----
जलम्	जलेन	जलाभ्याम्	जलैः
मुखम्	-----	-----	-----
आकाशम्	-----	-----	-----
नगरम्	-----	-----	-----
वनम्	-----	-----	-----
पुस्तकम्	-----	-----	-----
वस्त्रम्	-----	-----	-----

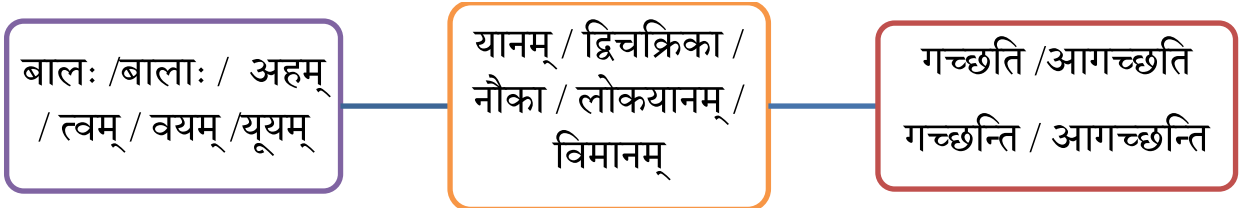
बालः हस्तेन लिखति।
उमा स्यूतेन आनयति।
बालिका दण्डेन सूचयति।
रतीशः शिलया अलङ्करोति।

अभ्यासः

यथोदाहरणं वाक्यानि रचयन्तु -

१. बालः -मुखम् -वदति।	-	बालः मुखेन वदति।
२. वानरः -फलम् - क्रीडति।	-	-----।
३. छात्रः - छत्रम् - गच्छति।	-	-----।
४. वृद्धः - दण्डः - चलति।	-	-----।
५. माता - दर्वी -परिवेषयति।	-	-----।
६. रमा - चषकः - पिबति।	-	-----।
७. गजः -शुण्डा - पिबति।	-	-----।
८. अहम् - हस्तः -ददामि।	-	-----।
९. ते - यानम् -गच्छन्ति।	-	-----।
१०. बालिकाः - वलयम् - क्रीडन्ति।	-	-----।
११. छात्री - लेखनी - लिखति।	-	-----।
१२. गायत्री - पुष्पम् - अलङ्करोति।	-	-----।
१३. उमा - कर्तरी - कर्तयति।	-	-----।
१४. कर्मकरः -छुरिका- खण्डयति	-	-----।
१५. वयम् - नासिका - श्वसिमः।	-	-----।
१६. सर्वे - जिह्वा - लिहन्ति।	-	-----।

यथोदाहरणं वाक्यानि रचयन्तु -



उदा -

१.	बालः यानेन गच्छति।	-	बालः यानेन आगच्छति।
	बालाः यानेन गच्छन्ति।	-	बालाः यानेन आगच्छन्ति।
	अहं यानेन गच्छामि।	-	अहं यानेन आगच्छामि।
	त्वं यानेन गच्छसि।	-	त्वं यानेन आगच्छसि।
	वयं यानेन गच्छामः।	-	वयं यानेन आगच्छामः।
	यूयं यानेन गच्छथ।	-	यूयं यानेन आगच्छथ।

२. -----	-----
-----| -----|
-----| -----|
-----| -----|
-----| -----|

३. -----	-----
-----| -----|
-----| -----|
-----| -----|
-----| -----|

४. -----	-----
-----| -----|
-----| -----|
-----| -----|
-----| -----|

बालः / अहम् / त्वम्

कन्दुकः / पाञ्चालिका /
दण्डः / माला / शिला / कूपी
/ वाहनम् / क्रीडनकम्

क्रीडति

उदा –

बालः कन्दुकेन क्रीडति।

अहं कन्दुकेन क्रीडामि।

त्वं कन्दुकेन क्रीडसि।

-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----

अभ्यासः

आनन्दः / आह्लादः / स्नेहः / लज्जा / त्वरा / आलस्यम् / आग्रहः / सन्तोषः / जिज्ञासा /
कोपः / दुःखम् / कष्टम् / दया / अनुकम्पा / आश्चर्यम् / विस्मयः / कौतुकम् / वेगः / असूया /
इच्छा / धैर्यम् / उत्साहः

पठति / लिखति / क्रीडति / धावति / वदति / पृच्छति / पश्यति / उपविशति / गच्छति

उदा -

रामः आनन्देन पठति।

रमा त्वरया वदति ।

अहम् उत्साहेन पठामि।

अभ्यासः

१. आकाशम् - सूर्यः।

- आकाशं सूर्येण शोभते।

२. जीवनम् - धर्मः

- जीवनं धर्मेण शोभते।

३. रात्रिः - चन्द्रः।

-

४. ज्ञानम् - विनयः।

-

५. तडागः - कमलम्।	-
६. पुष्पम् - भ्रमरः।	-
७. हस्तः - दानम्।	-
८. जीवनम् - संस्कृतम्।	-
९. ग्रामः - नदी	-
१०. वनम् - मृगाः	-
११. मुखम् - तिलकम्।	-
१२. पादः - नूपुरम्।	-
१३. नासिका - नासाभरणम्।	-
१४. कण्ठः - सत्यवाक्यम्।	-
१५. वधूः - लज्जा।	-
१६. भरतम् - स्स्कृतम्।	-
१७. सागरः - तरङ्गः।	-
१८. सैनिकः - धैर्यम्।	-

अभ्यासः

सह / साकम् / सार्धम् / समम् इत्येतेषां प्रयोगे तृतीयाविभक्तिः भवति।

सीता रामेण सह वनं गतवती।	-	उमा महेश्वरेण साकं नृत्यति।
राधा कृष्णेन समं गच्छति।	-	अहं अम्बया सार्धं शयनं करोमि।
रमा - सुरेशः - पठति।	-
उमा - अरविन्दः - क्रीडति।	-
लता - अनुजः - गच्छति।	-
श्यामः - ज्येष्ठः - खादति।	-
दिलीपः - गीता - गायति।	-
अभिषेकः - तारा - चर्चति।	-
बालः - अम्बा - गच्छति।	-

अभ्यासः

कः केन सह किं करोति

पठति	क्रीडति	लिखति	उपविशति
↓	↓	↓	↓
सह	समं	साकं	सार्धं
↓	↓	↓	↓
लता – गौरी सतीशः – दर्शिका सीता - गङ्गा	अनुदेवः – रमा देवनन्दा – श्यामः दया – उमा	लतिका – देवी आकाशः – सत्यः जिषा – शुभा	प्रवीणः – अवन्तिका शिवः – अनूपः अमलः - वाणी

उदा - लता गौर्या सह पठति।

अनुदेवः रमया समं क्रीडति।

१. -----|
२. -----|
३. -----|
४. -----|
५. -----|
६. -----|
७. -----|
८. -----|
९. -----|
१०. -----|

कथम्

सिंहः उच्चैः गर्जति।

अश्वः शीघ्रं धावति।

राधा सम्यक् गायति।

सुरेशः सुधाखण्डेन लिखति।

सिंहः कथं गर्जति?

अश्वः कथं धावति?

राधा कथं गायति?

सुरेशः कथं लिखति?

संख्या:

१०१	-एकाधिकशतम् / एकोत्तरशतम्
१०२ -	द्व्यधिकशतम् / द्व्युत्तर(द्वि-उत्तर)शतम्
१०३ -	त्र्यधिकशतम् / त्र्युत्तरशतम्
१०४ -	चतुरधिकशतम् / चतुरुत्तरशतम्
१०५ -	पञ्जाधिकशतम् / पञ्चोत्तरशतम्
२०८ -	अष्टाधिकद्विशतम् / अष्टोत्तरद्विशतम्
५८० -	अशीत्यधिकपञ्चशतम् / अशीत्युत्तरपञ्चशतम्
३३० -	त्रिंशदधिकत्रिशतम् / त्रिंशदुत्तरत्रिशतम्

विंशति + अधिक – विंशत्यधिका। त्रिंशत् + अधिक – त्रिंशदधिका। त्रिंशत् + उत्तर -त्रिंशदुत्तर।

अभ्यासः ४.

संख्याम् अक्षरैः पूर्यन्तु -

१०९	नवोत्तरशतम्	/	नवाधिकशतम्।
२१०	दशोत्तरद्विशतम्	/	दशाधिकद्विशतम्
३१०	-----	/	-----
१२५	-----	/	-----
२४०	-----	/	-----
४५५	-----	/	-----
१७५	-----	/	-----
१९०	-----	/	-----
९७८	-----	/	-----
६७५	-----	/	-----
२५०	-----	/	-----
६१५	-----	/	-----
८३५	-----	/	-----
९५६	-----	/	-----
११२	-----	/	-----

२३८ ----- / -----
९९० ----- / -----
१३० ----- / -----

१००८ अष्टोत्तरसहस्रम् / अष्टाधिकसहस्रम्
१११० दशोत्तर-शताधिकसहस्रम् / दशाधिक-शतोत्तरसहस्रम् / सहस्रं शतं दश
१२३० त्रिंशदुत्तर-द्विशताधिकसहस्रम् / त्रिंशदधिक-द्विशतोत्तरसहस्रम् / सहस्रं द्विशतं त्रिंशत्
१९४७ सप्तचत्वारिंशदुत्तर-नवशताधिकसहस्रम् / सप्तचत्वारिंशदधिक- नवशतोत्तरसहस्रम्
२१०२ द्व्युत्तर-शताधिकद्विसहस्रम् / द्व्यधिक-शतोत्तरद्विसहस्रम्

अकारान्तः पुंलिङ्गः राम शब्दः

प्रथमाविभक्तिः	रामः	रामौ	रामाः
सम्बोधनप्रथमाविभक्तिः	हे राम	हे रामौ	हे रामाः
द्वितीयाविभक्तिः	रामम्	रामौ	रामान्
तृतीयाविभक्तिः	रामेण	रामाभ्याम्	रामैः
चतुर्थीविभक्तिः	रामाय	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
पञ्चमीविभक्तिः	रामात्	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
षष्ठीविभक्तिः	रामस्य	रामयोः	रामाणाम्
सप्तमीविभक्तिः	रामे	रामयोः	रामेषु
एवमेव – ग्रहः, वृक्षः, धर्मः, चषकः, ऋषभः, ध्रुवः इत्यादयः ।			

अकारान्तः पुंलिङ्गः बाल शब्दः

प्रथमाविभक्तिः	बालः	बालौ	बालाः
सम्बोधनप्रथमाविभक्तिः	हे बाल	हे बालौ	हे बालाः
द्वितीयाविभक्तिः	बालम्	बालौ	बालान्
तृतीयाविभक्तिः	बालेन	बालाभ्याम्	बालैः
चतुर्थीविभक्तिः	बालाय	बालाभ्याम्	बालेभ्यः
पञ्चमीविभक्तिः	बालात्	बालाभ्याम्	बालेभ्यः
षष्ठीविभक्तिः	बालस्य	बालयोः	बालानाम्
सप्तमीविभक्तिः	बाले	बालयोः	बालेषु
एवमेव – कृष्णः, देवः, देशः, दन्तः, चमसः, दण्डः, रमेशः, विद्यालयः ।			

इकारान्तः पुंलिङ्गः हरि शब्दः

प्रथमाविभक्तिः	हरिः	हरी	हरयः
सम्बोधनप्रथमाविभक्तिः	हे हरे	हे हरी	हे हरयः
द्वितीयाविभक्तिः	हरिम्	हरी	हरीन्
तृतीयाविभक्तिः	हरिणा	हरिभ्याम्	हरिभिः
चतुर्थीविभक्तिः	हरये	हरिभ्याम्	हरिभ्यः
पञ्चमीविभक्तिः	हरेः	हरिभ्याम्	हरिभ्यः
षष्ठीविभक्तिः	हरेः	हर्योः	हरीणाम्
सप्तमीविभक्तिः	हरौ	हर्योः	हरिषु
एवमेव – गिरिः, रविः, ऋषिः, अद्रिः इत्यादयः ।			

इकारान्तः पुंलिङ्गः मुनि शब्दः

प्रथमाविभक्तिः	मुनिः	मुनी	मुनयः
सम्बोधनप्रथमाविभक्तिः	हे मुने	हे मुनी	हे मुनयः
द्वितीयाविभक्तिः	मुनिम्	मुनी	मुनीन्
तृतीयाविभक्तिः	मुनिना	मुनिभ्याम्	मुनिभिः
चतुर्थीविभक्तिः	मुनये	मुनिभ्याम्	मुनिभ्यः
पञ्चमीविभक्तिः	मुनेः	मुनिभ्याम्	मुनिभ्यः
षष्ठीविभक्तिः	मुनेः	मुन्योः	मुनीनाम्
सप्तमीविभक्तिः	मुनौ	मुन्योः	मुनिषु
एवमेव – अग्निः, रश्मिः, पाणिः, कविः, कपिः, राशिः, अवधिः, निधिः			

उकारान्तः पुंलिङ्गः गुरु शब्दः

प्रथमाविभक्तिः	गुरुः	गुरू	गुरवः
सम्बोधनप्रथमाविभक्तिः	हे गुरो	हे गुरू	हे गुरवः
द्वितीयाविभक्तिः	गुरुम्	गुरू	गुरून्
तृतीयाविभक्तिः	गुरुणा	गुरुभ्याम्	गुरुभिः
चतुर्थीविभक्तिः	गुरवे	गुरुभ्याम्	गुरुभ्यः
पञ्चमीविभक्तिः	गुरोः	गुरुभ्याम्	गुरुभ्यः
षष्ठीविभक्तिः	गुरोः	गुर्वोः	गुरूणाम्
सप्तमीविभक्तिः	गुरौ	गुर्वोः	गुरुषु
एवमेव –	तरुः, रघुः, प्रभुः, शत्रुः, रिपुः, भृगुः		

उकारान्तः पुंलिङ्गः शिशु शब्दः

प्रथमाविभक्तिः	शिशुः	शिशू	शिशवः
सम्बोधनप्रथमाविभक्तिः	हे शिशो	हे शिशू	हे शिशवः
द्वितीयाविभक्तिः	शिशुम्	शिशू	शिशून्
तृतीयाविभक्तिः	शिशुना	शिशुभ्याम्	शिशुभिः
चतुर्थीविभक्तिः	शिशवे	शिशुभ्याम्	शिशुभ्यः
पञ्चमीविभक्तिः	शिशोः	शिशुभ्याम्	शिशुभ्यः
षष्ठीविभक्तिः	शिशोः	शिश्वोः	शिशूनाम्
सप्तमीविभक्तिः	शिशौ	शिश्वोः	शिशुषु
एवमेव –	विष्णुः, शम्भुः, मनुः, सूनुः, जिष्णुः, ऋतुः, सेतुः, भानुः, विधुः, बिन्दुः		

आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः लता शब्दः

प्रथमाविभक्तिः	लता	लते	लताः
सम्बोधनप्रथमाविभक्तिः	हे लते	हे लते	हे लताः
द्वितीयाविभक्तिः	लताम्	लते	लताः
तृतीयाविभक्तिः	लतया	लताभ्याम्	लताभिः
चतुर्थीविभक्तिः	लतायै	लताभ्याम्	लताभ्यः
पञ्चमीविभक्तिः	लतायाः	लताभ्याम्	लताभ्यः
षष्ठीविभक्तिः	लतायाः	लतयोः	लतानाम्
सप्तमीविभक्तिः	लतायाम्	लतयोः	लतासु
एवमेव –	राधा, उमा, शिला, वाटिका, माला, कुञ्चिका, सीता, दया, सुधा		

आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः रमा शब्दः

प्रथमाविभक्तिः	रमा	रमे	रमाः
सम्बोधनप्रथमाविभक्तिः	हे रमे	हे रमे	हे रमाः
द्वितीयाविभक्तिः	रमाम्	रमे	रमाः
तृतीयाविभक्तिः	रमया	रमाभ्याम्	रमाभिः
चतुर्थीविभक्तिः	रमायै	रमाभ्याम्	रमाभ्यः
पञ्चमीविभक्तिः	रमायाः	रमाभ्याम्	रमाभ्यः
षष्ठीविभक्तिः	रमायाः	रमयोः	रमाणाम्
सप्तमीविभक्तिः	रमायाम्	रमयोः	रमासु
एवमेव –	रुमा, प्रभा, रेखा, इषिका, इष्टिका		

दकारान्तः त्रिलिङ्गः अस्मद् शब्दः

प्रथमाविभक्तिः	अहम्	आवाम्	वयम्
द्वितीयाविभक्तिः	माम्, मा	आवाम्, नौ	अस्मान्, नः
तृतीयाविभक्तिः	मया	आवाभ्याम्	अस्माभिः
चतुर्थीविभक्तिः	मह्यम्, मे	आवाभ्याम्, नौ	अस्मभ्यम्, नः
पञ्चमीविभक्तिः	मत्	आवाभ्याम्	अस्मत्
षष्ठीविभक्तिः	मम, मे	आवयोः, नौ	अस्माकम्, नः
सप्तमीविभक्तिः	मयि	आवयोः	अस्मासु

दकारान्तः त्रिलिङ्गः युष्मद् शब्दः

प्रथमाविभक्तिः	त्वम्	युवाम्	यूयम्
द्वितीयाविभक्तिः	त्वाम्, त्वा	युवाम्, वाम्	युष्मान्, वः
तृतीयाविभक्तिः	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः
चतुर्थीविभक्तिः	तुभ्यम्, ते	युवाभ्याम्, वाम्	युष्मभ्यम्, वः
पञ्चमीविभक्तिः	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्
षष्ठीविभक्तिः	तव, ते	युवयोः, वाम्	युष्माकम्, वः
सप्तमीविभक्तिः	त्वयि	युवयोः	युष्मासु
